1286735

No. of Printed Pages : 6

BPYE–002

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination

December, 2019

BPYE-002 : TRIBAL AND DALIT PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer **all** the five questions. All questions carry equal marks. Answers to question nos. 1 and 2 should be in about 400 words each.*

1. Discuss the Adivasi's situation in the country with reference to Chhattisgarh's tribes. 20

Or

Explain Tribal's spiritual outlook on nature.

2. Analyse the views of Ambedkar regarding caste system and liberation of Dalits. 20

Or

Make a general comparison of the views of Ambedkar and Gramsci regarding Dalit philosophy.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about ***200*** words each : 10 each

   (a) Explain the significance of tribal folklore in expressing tribal wisdom.

   (b) Discuss the nature of human values and the moral sense of the tribals.

   (c) Explain the provisions of the law against 'untouchability'.

   (d) "Philosophy should be non-philosophical." Substantiate the statement.

4. Answer any ***four*** of the following questions in about ***150*** words each : 5 each

   (a) How do tribals relate themselves to the Supreme Being ?

   (b) What is called as 'Cosmotheandrism' ?

   (c) What were Manu's views about caste system ?

   (d) What do you mean by principle of discrimination ?

   (e) What is Genealogy according to Michael Foucault ?

(f) Mention some of the duties of National Commission for Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about ***100*** words each : 4 each

(a) Phagua Festival

(b) Tribal Village Co-operation

(c) Indian Tribes

(d) Totemism

(e) Subaltern Historiography

(f) Dalit Solidarity

(g) Marginalization

(h) Sarhul

बी.पी.वाई.ई.-002

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शन)

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2019

बी. पी. वाई. ई.-002 : जनजातीय एवं दलित दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।*

1. छत्तीसगढ़ की जनजातियों के सन्दर्भ में भारत के आदिवासियों की स्थिति पर विवेचना कीजिए। 20

अथवा

जनजातियों के प्रकृति के प्रति आध्यात्मिक दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए।

2. जाति प्रथा और दलितों की मुक्ति के सम्बन्ध में अम्बेडकर के विचारों का विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

अम्बेडकर और ग्राम्शी के दलित दर्शन सम्बन्धी विचारों का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग ***200*** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) जनजातीय प्रजा के अभिव्यक्ति के रूप में जनजातीय लोक साहित्य के महत्व की व्याख्या कीजिए।

(ख) जनजातियों के मानव मूल्यों और नैतिक बोध की प्रकृति पर चर्चा कीजिए।

(ग) 'अस्पृश्यता' के विरुद्ध कानूनी प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।

(घ) "दर्शनों को गैर-दार्शनिक होना चाहिए।" इस कथन को सिद्ध कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग ***150*** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) आदिवासी स्वयं को कैसे सर्वोच्च सत् के साथ सम्बन्धित करते हैं ?

(ख) 'कास्मोथियेन्ड्रिज्म' क्या है ?

(ग) जाति प्रथा सम्बन्धी मनु के क्या विचार हैं ?

(घ) भेद भाव के सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं ?

(ङ) माइकल फूको के अनुसार वंशावली क्या है ?

(च) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति राष्ट्रीय आयोग के कुछ कार्यों के बारे में बताइए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर प्रत्येक लगभग *100* शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) फागूवा उत्सव

(ख) जनजातीय ग्राम सहयोग

(ग) भारतीय जनजातियाँ

(घ) टोटमवाद

(ङ) निम्नवर्गीय इतिहास लेखन

(च) दलित एकता

(छ) हाशियाकरण

(ज) सरहुल